

विचार बिन्दु

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिएं। –रोबिन शर्मा

विश्व बैंक ने लगाई मुहर : मोदी ने भेदा गरीबी के चक्रव्यूह का मायाजाल

सीमावर्ती क्षेत्रों में भारी तनाव और युद्ध की आशंकाओं के बादल मंडराने के मध्य भारत में गरीबी के मोर्चे पर वर्ल्ड बैंक से एक अच्छी खबर आई है। देश में गरीबी तेजी से घट रही है और इससे आंकड़ों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। वर्ल्ड बैंक की इस ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने पिछले दस साल में गरीबी को कम करने में बड़ी सफलता हासिल की है। यह भी कहा जा सकता है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दस सालाना मेहनत आखिर रंग लाई, जब विश्व बैंक ने भारत में गरीबी के मायाजाल के चक्रव्यूह को तोड़ने में सफलता हासिल करने पर अपनी मुहर लगा दी। वर्ल्ड बैंक की यह रिपोर्ट मोदी के गरीबी कम करने के दावों की पुष्टि करता है। अस्सी करोड़ गरीबों को खाद्य सहायता प्रदान करने वाले भारत की गरीबी पर लगातार हो रहे सर्वे और अध्ययन रिपोर्टों का गहनता से अवलोकन और विश्लेषण करें तो पायेंगे, अब तक देश गरीबी से मुक्त हो गया होगा। जब भी गरीबी से मुक्ति की कोई रिपोर्ट आती है तो हमारी खुशी का ठिकाना नहीं रहता की हम गरीबी के अभिशाप से मुक्त हो रहे हैं। लगता है हमारे देश की गरीबी किसी मायाजाल से कम नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार 2011-12 में देश में अत्यधिक गरीबी 16.2 प्रतिशत थी जो 2022-23 में घटकर 2.3 प्रतिशत पर आ गई है। अत्यधिक गरीब का मतलब ऐसे लोगों से है जिनका रोजाना खर्च 2.15 डॉलर (करीब 180 रुपये) से भी कम है। यह खबर हमारे लिए सुकूनदायी कही जा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान 17.1 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं। गांवों में अत्यधिक गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत रह गई है। इसी तरह शहरों में यह आंकड़ा 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत रह गया है। पाँच सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों—उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश—में 2011-12 में देश के 65 प्रतिशत अति गरीब रहते थे और 2022-23 तक अत्यधिक गरीबी में कुल गिरावट में दो-तिहाई का योगदान दिया। रिपोर्ट के अंश बताते हैं कि भारत अब निम्न-मध्यम आय वाले देशों की श्रेणी में आ गया है। इसका मतलब है कि भारत की अर्थव्यवस्था पहले से बेहतर हुई है। स्वतंत्र विश्लेषक इसे किसी चमत्कार से कम नहीं

दुनिया भर में गरीबी की स्थिति आज भी बेहद चिंताजनक है। हमारे देश की बात करें तो आजादी के 78 सालों के बाद भारत में गरीब और गरीबी पर लगातार अध्ययन और खुलासा हो रहा है। पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन के प्रयास जरूर सिरें चढ़े हैं। भारत सरकार ने हर प्रकार की गरीबी को कम करने के लक्ष्य के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है।

रहा है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट 2024 की बात करे तो भारत का स्थान 127 देशों में 105वां है। हालांकि पिछले सालों की तुलना में वर्ष 2024 में भारत की रैंक में सुधार हुआ है। वर्ष 2023 में भारत कुल 125 देशों में से 111वें स्थान पर था। हालांकि, सरकार ने नुटिपूर्ण कार्यप्रणाली का हवाला देते हुए इस सूचकांक में भारत के प्रदर्शन का विरोध किया था। एसबीआई रिसर्च के पेपर में कहा गया है कि ग्रामीण गरीबी 2023-24 में घटकर 4.86 फीसदी हो जाएगी, जो पिछले साल 7.2 फीसदी थी। 2011-12 में यह 25.7 फीसदी थी। इस बीच शहरी क्षेत्रों में 2024 में साल-दर-साल गिरावट धीमी रही। एसबीआई रिसर्च ने कहा कि वित्त वर्ष 2024 में यह 4.09 फीसदी थी, जबकि पिछले साल यह 4.60 फीसदी थी। रिपोर्ट में ग्रामीण गरीबी में तेज़ कमी का श्रेय निम्न आय वर्ग के बीच खपत वृद्धि को दिया गया है, जिसे मजबूत सरकारी समर्थन से बल मिला है। शहरी गरीबी में भी तेजी से कमी आई है, जो अब 4.09 फीसदी होने का अनुमान है, जो 2011-12 में 13.7 फीसदी थी। रिपोर्ट में कहा कि ग्रामीण गरीबी अनुपात में तेज गिरावट महत्वपूर्ण सरकारी सहायता के साथ कंजम्पशन डोथ का नतीजा है। दुनिया भर में गरीबी की स्थिति आज भी बेहद चिंताजनक है। हमारे देश की बात करें तो आजादी के 78 सालों के बाद भारत में गरीब और गरीबी पर लगातार अध्ययन और खुलासा हो रहा है। पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन के प्रयास जरूर सिरें चढ़े हैं। भारत सरकार ने हर प्रकार की गरीबी को कम करने के लक्ष्य के साथ लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त खाद्यान्न वितरण को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाना, सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। मातृ स्वास्थ्य का समाधान करने वाले विभिन्न कार्यक्रम, उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन वितरण, सौभाग्य के माध्यम से बिजली कनेक्शन में सुधार, और स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसे परिवर्तनकारी अभियानों ने सामूहिक रूप से लोगों की रहने की स्थिति और समग्र कल्याण की प्रगति में सुधार किया है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री जन धन योजना और पीएम आवास योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने वित्तीय समावेशन और वंचितों के लिए सुरक्षित आवास प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे बुनियादी सेवाओं तक पहुंच में आने वाली मूलभूत समस्याओं का तेजी से समाधान हो रहा है ताकि देश एक विकसित राष्ट्र यानी विकसित भारत 2047 बनने की ओर अग्रसर हो सके। सरकारी स्तर पर यदि ईमानदारी से प्रयास किये जायें और जनधन का दुरुपयोग नहीं हो तो भारत शीघ्र गरीबी के अभिशाप से मुक्त हो सकता है।

–अतिथि सम्पादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार



राशिफल गुरुवार 1 मई, 2025

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्थे तिथि, गुरुवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र दिन 12:21 तक, अतिगुह्ययोग प्रातः 8:34 तक, विष्टि करण दिन 11:24 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेघ, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरु-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 2:21 तक है। भद्रा दिन 11:24 तक रहेगी। आज विनायक चतुर्थी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:30 तक, चर 10:46 से 12:24 तक, लाभ अमृत 12:24 से 3:34 तक, शुभ 5:13 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 5:52, सूर्यास्त 6:55

 मेघ परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	 सिंह आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।	 धनु परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।
 वृष आर्थिक कारणों से अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। अटक हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।	 कन्या व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।	 मकर विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।
 मिथुन व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरिपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।	 तुला नवीन कार्यों के संबंध में आत्मिक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटक हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।	 कुंभ घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।
 कर्क व्यक्तिगत परेशानियां अभी बनी रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।	 वृश्चिक चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।	 मीन व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

क्या ‘ई-लाइब्रेरी’ रीडर्स को राहत प्रदान कर पाएगी...

अविनाश जोशी

किताबों के शौकीन लोगों के लिए ऑनलाइन यानी ई-लाइब्रेरी किसी तोहफे से कम नहीं है। आज के युग में डिजिटल मोड से जुड़े लर्निंग के सभी साधनों का उपयोग हमें स्पर्धा में आगे रखेगा। मोबाइल क्रांति के इस युग में ई-लाइब्रेरी के फैलाव से हम सबके लिए ई-लर्निंग में एक नई क्रांति की शुरुआत होगी...

आज के डिजिटल युग में सूचना और ज्ञान की पहुंच को आसान और सुलभ बनाना समय की आवश्यकता बन गई है। इसी दिशा में भारत सरकार द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में ई-लाइब्रेरी (ई-पुस्तकालय) की शुरुआत की गई जो रीडर्स यानी पाठकों को कहीं से भी, कभी भी किताबें पढ़ने की सुविधा प्रदान कर सकती है।

ई-लाइब्रेरी का अर्थ एक ऐसी लाइब्रेरी से है जहां पर डिजिटल रूप से सूचना और अध्ययन सामग्री एक्सेस की जाती है। इस लाइब्रेरी में इंटरनेट कनेक्शन के द्वारा कंप्यूटर या फिर एंड्राइड मोबाइल के द्वारा हम कहीं पर भी देश के किसी भी कोने में बैठकर किसी भी समय अपने अनुसार सूचना तथा अध्ययन सामग्री प्राप्त कर सकते

सरसों खरीद का सरकारी भुगतान नहीं होने से किसान परेशान

श्रीगंगानगर। यहां सरसों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के बावजूद किसानों को भुगतान में देरी का सामना करना पड़ रहा है। जिलेभर में बड़ी संख्या में किसानों ने सरकार को सरसों बेची है, लेकिन भुगतान प्रक्रिया भंडारण रसीदों की अनुपलब्धता के कारण अटक की हुई है। इससे किसान परेशान हैं और समितियों तथा खरीद केंद्रों के लगातार चक्कर काटने को मजबूर हैं। खरीद के बाद उपज बेयरहाउस में जमा करवाई जाती है, जहां से भंडारण रसीदें जारी की जाती हैं। यह रसीदें भुगतान प्रक्रिया की पहली आवश्यकता होती हैं, लेकिन श्रीगंगानगर जिले में बेयरहाउस प्रबंधन द्वारा अभी तक रसीदें संबंधित हस्ताक्षरों को जारी नहीं की गई हैं। नतीजतन, भुगतान की प्रक्रिया शुरू ही नहीं हो पा रही है। किसानों ने बताया कि उन्होंने सरसों सरकार को बेची, लेकिन भुगतान के लिए अभी तक कोई स्पष्ट समय-सीमा नहीं बताई गई है।

है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों या ब्लोटों जैसे कंप्यूटर, मोबाइल, टीवी, रेडियो आदि के माध्यम से कई प्रकार कि सूचनाएं तथा विभिन्न क्षेत्रों का ज्ञान प्राप्त करना ई-लाइब्रेरी का भाग है। ई-लाइब्रेरी में सभी स्तर के अनुसार अधिगम सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। इसमें आप प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक तथा अनुसंधानकर्ताओं के लिए भी हर प्रकार की सामग्री उपलब्ध रहती है। ई-लाइब्रेरी अनुसंधान कार्य को अत्यंत सरल बना देती है क्योंकि इसके द्वारा समस्त प्रकार की अधिगम और अनुसंधान संबंधित सूचनाएं तथा लिखा हुआ लेख अधिगमकर्ताओं तक बहुत ही आसानी से पहुंच जाता है। ई-लाइब्रेरी द्वारा अधिगम या ज्ञान प्राप्त करने के लिए कुछ माध्यमों की आवश्यकता होती है, जैसे कंप्यूटर, मोबाइल फोन, बहु माध्यम नेटवर्किंग आदि। इन सभी की सहायता से ई-लाइब्रेरी बहुत ही सरल और आसान बन गई है। ई-लाइब्रेरी ऑनलाइन लाइब्रेरी का ही एक प्राारूप है। यह उन लोगों के लिए अत्यंत उपयोगी है जिनके पास समय की कमी है। इन लोगों के पास यह सुविधा होती है कि वे ऑनलाइन किताबें पढ़ सकें। इसमें उन्हें पत्रे पलटने की भी जरूरत नहीं होती। सरकारों को ई-लाइब्रेरी की सुविधा विकसित करने के लिए काम करना चाहिए और फंडिंग के लिए आगे आना चाहिए। स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों में छात्रों के लिए यह वरदान है। ई-लाइब्रेरी से आपको बाजार में आई नई किताबों के बारे में जानकारी मिल जाती है। आपके मनसबंद लेखक की कौन सी नई किताब आई, इसके बारे में आपको पता लग जाता है।

एनटीए ने नीट-यूजी 2025 के प्रवेश पत्र जारी किए

कोटा, (निर्स)। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने बुधवार शाम को नीट यूजी-2025 के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए। नीट यूजी 2025 की ऑफिसियल वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक पर कैंडिडेट्स अपने नीट यूजी रजिस्ट्रेशन नंबर तथा पासवर्ड डालकर अपने एडमिट कार्ड को निकाल सकते हैं। परीक्षा 4 मई को होगी। परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश 11.00 बजे से शुरू हो जाएगा और 1.30 बजे तक चलेगा। एलन करियर इंस्टीट्यूट के करियर काउंसलर पारिजात मिश्रा ने बताया कि एनटीए द्वारा जारी की गई एडमिट कार्ड गाइडलाइन्स के अनुसार पहले परीक्षा के एडमिट कार्ड कम सेल्फ डिक्लेरेशन अंडरटेकिंग को अच्छे से कंफ़लीट करें। इसमें परीक्षार्थी को फोटो (जैसा आवेदन पत्र में अपलोड किया गया) चिपकाना है।

ई-लाइब्रेरी निःसंदेह एक क्रांतिकारी पहल है जो आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए समाज को ज्ञान से जोड़ने का कार्य करेगी। इससे न केवल पुस्तकों तक पहुँच आसान होगी, बल्कि ज्ञान की दुनिया में एक नया द्वार भी खुलेगा। भारत में हिंदी भाषी पाठकों की संख्या करोड़ों में है, लेकिन अब तक डिजिटल संसाधनों में हिंदी में सामग्री की उपलब्धता सीमित रही है। ई-लाइब्रेरी इस अंतर को पाटने का कार्य करेगी। अब पाठकों को प्रेमचंद, महादेवी वर्मा, हरिवंश राय बच्चन, धर्मवीर भारती जैसे हिंदी साहित्यकारों की कृतियाँ डिजिटल रूप में पढ़ने को मिलेंगी। इसके साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को हिंदी माध्यम में अध्ययन सामग्री, गाइड, प्रश्न बैंक आदि भी इस लाइब्रेरी के माध्यम से उपलब्ध होंगे। भारत सरकार की नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (NDLI) और डिजिटल भारत जैसे अभियानों के अंतर्गत भी हिंदी कंटेंट पर जोर दिया जा रहा है।

हिंदी ई-पुस्तकों की यह पहल भाषाई समानता और संस्कृति के संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिससे हिंदी भाषी समुदाय के पाठकों को डिजिटल युग में सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। भारत में डिजिटल इंडिया, नई शिक्षा नीति (NEP 2020), और ग्रामीण डिजिटलीकरण जैसे अभियानों के साथ ई-लाइब्रेरी का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल प्रतीत होता है। जैसे-जैसे इंटरनेट की पहुँच गाँवों तक विस्तारित हो रही है और स्मार्टफोन उपयोगकर्ता बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे डिजिटल पुस्तकालयों की उपयोगिता और माँग भी तेज़ी से बढ़ेगी। इस मुहिम

की मजबूती देने हेतु सरकार और निजी संस्थाएँ मिलकर ई-लाइब्रेरी को और समृद्ध बना रही हैं- जैसे नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया (NDLI), eGranthalaya, Bharatavani जैसी पहलें यू.ही.लाखों डिजिटल संसाधन मुफ्त में उपलब्ध करा रही हैं। भविष्य में इन ई-लाइब्रेरी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और मशीन लर्निंग (ML) जैसी तकनीकों का प्रयोग कर पाठकों को उनके रुचि और जरूरत के अनुसार पुस्तकें सुझाई जा सकेंगी। इसके अलावा, स्थानीय भाषाओं में सामग्री को बढ़ावा देकर यह पहल देश की भाषाई विविधता को भी सम्मान देगी।

भारत में ई-लाइब्रेरी सिर्फ एक तकनीकी सुविधा नहीं, बल्कि यह ज्ञान के लोकतंत्रीकरण की दिशा में एक सशक्त पहल है, जो आने वाले समय में शिक्षा, शोध और सांस्कृतिक जागरूकता के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकती है।

मोबाइल ऐप की मदद से भी ई-लाइब्रेरी को और अधिक सुलभ और प्रभावशाली बनाया जा सकता है। आज के समय में स्मार्टफोन हर हाथ में है, और इसी तकनीक का लाभ उठाते हुए ई-लाइब्रेरी सेवाएँ अब मोबाइल ऐप्स के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे पाठक कहीं भी और कभी भी किताबें पढ़ सकते हैं-चाहे वे घर पर हों, यात्रा में या किसी ग्रामीण क्षेत्र में। इन मोबाइल ऐप्स में सरल यूज़र इंटरफेस, ऑफलाइन पढ़ने की सुविधा, बुकमार्किंग, नोट्स जोड़ने और भाषा चयन जैसी सुविधाएँ दी जाती हैं, जो पाठकों के अनुभव को बेहतर बनाती हैं। हिंदी भाषी उपयोगकर्ताओं के लिए भी

अब कई ऐप्स में सर्मापित हिंदी सेक्शन मौजूद हैं, जिससे वे अपनी पसंद की किताबें आसानी से खोज और पढ़ सकते हैं।मोबाइल ऐप्स के माध्यम से पुस्तकें न केवल अधिक लोगों तक पहुँचती हैं, बल्कि युवाओं को पढ़ने की आदत से भी जोड़ती हैं, जो आजकल मोबाइल पर अधिक समय बिताते हैं।

किसी भी समाज के बौद्धिक विकास में शैक्षिक संस्थानों और पुस्तकालयों के योगदान को नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता। लेकिन अफसोसनाक बात यही है कि समाज के विकास में पुस्तकालयों को आज समुचित स्थान नहीं मिल पा रहा है। आजादी के सत्तर साल बाद भी देश में आम जनता तक पुस्तकालयों की पहुँच नहीं बन पाई। उल्टे, हो यह रहा है कि जहां कहीं पुस्तकालय हैं, वे भी वे जर्जर हैं और बदईतजामा के शिकार हैं। यों तो विभिन्न शैक्षिक समितियों में पुस्तकालयों की महत्ता के गुणगान किए गए हैं, लेकिन हकीकत यही है कि वह एक कोने और कमरों में सिमटा दिखाई देता है। जब भी किसी नगर का निर्माण किया जाता है तो स्कूल, अस्पताल, सामुदायिक भवन, बाजार आदि की योजना बनाई जाती है। लेकिन पुस्तकालय के लिए कोई जगह नहीं बनाई जाती। आधुनिक शहरों के वास्तुकार मॉल, फास्ट रेल, यातायात के साधन, वातानुकूलित शॉपिंग सेंटर के बारे में तो सोचते हैं, लेकिन ज्ञान-पुस्तकादि के चाहने वालों को दरकिनार कर दिया जाता है। महानगरों में तो पुस्तकालयों की स्थिति ठीक नहीं है।

–अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक

आखातीज पर बाल विवाह न हो, बूंदी जिला प्रशासन ने रखी पैनी नजर

बूंदी. जिला प्रशासन बूंदी द्वारा आखातीज (अक्षय तृतीया) के अवसर पर बाल विवाह की संभावनाओं को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती गई। "बाल विवाह मुक्त बूंदी" अभियान अंतर्गत बाल अधिकारिता, महिला अधिकारिता, शिक्षा विभाग, पुलिस, चाइल्ड लाइन 1098, एवं एक्शन एड-यूनिसेफ की संयुक्त टीमों जिले भर में सक्रिय रही। टीमों ने सामूहिक विवाह आयोजनों में जाकर व्यक्तिगत रूप से वर-वधुओं की आयु प्रमाणित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, शैक्षिक प्रमाण पत्र आदि दस्तावेजों की जांच की। कहीं भी विवाह योग्य आयु से कम आयु का संदेह होने पर मौके पर ही परिजनों से बातचीत कर स्थिति स्पष्ट की गई। टीमों ने आयोजकों को बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 की जानकारी देते हुए सचेत किया कि किसी भी प्रकार का उल्लंघन करने पर कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी बताया गया कि बाल विवाह केवल एक अपराध ही नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास पर भी विपरीत प्रभाव डालता है। सहायक निदेशक, बाल अधिकारिता हुकम चंद जाजोरिया ने बताया कि अभियान की तैयारियां पूर्व से ही विभाग द्वारा सुनियोजित रूप से की जा रही हैं। गाँव-गाँव जाकर नुक्कड़ नाटकों, पोस्टर, ऑडियो संदेशों और संवाद के जरिये जन-जागरूकता फैला कर आम नागरिकों से अपील की है कि बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तत्कालचाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098पर सूचना दें। यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है, जिसे निभाकर हम बच्चों को सुरक्षित और समान अवसरों वाला जीवन दे सकते

बाल विवाह मुक्त बूंदी अभियान अंतर्गत जिला प्रशासन के दल ने सामूहिक विवाह स्थलों का निरीक्षण किया।

है। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सीमा पोद्दार ने बताया कि पंचायत समिति स्तर पर जनप्रतिनिधियों, संबंधित विभागों के हितधारकों, व बाल संरक्षण समिति सदस्यों को प्रशिक्षण देने हेतु कार्यशालाओं का आयोजन बाल कल्याण समिति, बाल अधिकारिता व एक्शन एड-यूनिसेफ द्वारा किया गया था जिससे बाल विवाह की प्रभावी रोकथाम में सशक्त भूमिका निभा सके। जिसमें एचसीएम परीा जयपुर से संदर्भ व्यक्ति आये थे।

इस अवसर पर एक्शन एड ज़िला

समन्वयक ज़हीर आलम ने बताया कि साथिनोंद्वारा ठामम स्तर पर बाल विवाह की रोकथाम हेतु निरंतर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि साथिनें पंचायत स्तर पर समुदाय से संवाद कर रही हैं, किशोरियों को शिक्षा के प्रति प्रेरित कर रही हैं, और बाल विवाह के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव लाने का प्रयास कर रही हैं। साथ ही, वे ऐसे परिवारों को पहचान कर समय पर सूचना विभाग को उपलब्ध करा रही हैं, जहाँ बाल विवाह की संभावनाएँ

पाई जाती हैं। संरक्षण अधिकारी गोविंद कुमार गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि बाल विवाह मुक्त बूंदी अभियान जिला प्रशासन, बाल अधिकारिता, महिला अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस, एक्शन एड-यूनिसेफ आदि का साझा अभियान है जिसके तहत यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जिले में किसी भी बालिका या बालक का विवाह 18/21 वर्ष की वैधानिक आयु से पूर्व न हो। इस अभियान के माध्यम से ठामीण क्षेत्रों,

पंचायत स्तर और स्कूलों में भी निरंतर जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

इस अवसर पर, आउट रीच वर्कर दीपिका वशिष्ठ, चाइल्ड हेल्पलाइन जिला समन्वयक राम नारायण गुजर, पर्यवेक्षक पिंकी राठौड़, प्रीति बंशीवाल, सुमन बैरवा, जेंडर विशेषज्ञ विनीता अठावाल, सलोनी कुमावत, पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र प्रबंधक पूर्णमा गौतम, काउंसलर सलोनी शर्मा, अक्षिता मिश्रण, प्रिया मिश्रण आदि उपस्थित रहे।